

# INHALT

|  |     |
|--|-----|
| Uffzählung vun de Leit im Krimi              | 9   |
| Gehn mer mol ähner trinke                    | 11  |
| Endlich mol ä Leich                          | 30  |
| Uff de Dienschtstell                         | 44  |
| Glei zweemol Terror in Schifferstadt         | 71  |
| Babbel doch!                                 | 97  |
| Im Biro                                      | 122 |
| Sport is Mord                                | 153 |
| Uffbasse mit dem Herz!                       | 174 |
| Obs noch ä Leich gibt?                       | 197 |
| Dort fangt die Palz aa                       | 208 |
| Jetztert geht's dem Killer an de Schlawittel | 227 |
| Dankschää!                                   | 270 |
| Bald noch eine Leiche?                       | 283 |
| Herzensworte                                 | 288 |
| Bonus Ratekrimi 1 –                          |     |
| Palzki und der falsche Geistliche            | 291 |
| Bonus Ratekrimi 2 –                          |     |
| Palzki und der Martinsumzug                  | 294 |